● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 डीआइजी, डीएम एवं एसपी सहित 12 पदाधिकारी पर न्यायालय में मुकदमा दर्ज

03 चर्चित संवेदक राजीव रंजन हत्याकांड़ के मुख्य शूटर सहित पांच गिरफ्तार

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 11 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 248

उत्तराखंड को 4200 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

बीएनएम@ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड के एक दिवसीय दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह राज्य को लगभग 4200 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री सुबह करीब साढ़े आठ बजे पिथौरागढ़ जिले के जोलिंगकोंग पहुंचेंगे, जहां वह पार्वती कुंड में पूजा और दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री इस स्थान पर पवित्र आदि-कैलाश से आशीर्वाद भी लेंगे।

प्रधानमंत्री सुबह करीब साढ़े नौ बजे पिथौरागढ़ जिले के गुंजी गांव पहुंचेंगे, जहां वह स्थानीय लोगों से बातचीत करेंगे और स्थानीय कला और उत्पादों पर प्रकाश डालने वाली एक प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। वह सेना, भारत-

तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कर्मियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

दोपहर करीब 12 बजे प्रधानमंत्री जागेश्वर, जिला अल्मोडा पहुंचेंगे, जहां वह जागेश्वर धाम में पूजा और दर्शन करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री दोपहर करीब 2:30 बजे पिथौरागढ़ पहुंचेंगे, जहां वह ग्रामीण विकास, सड़क, बिजली, सिंचाई, पेयजल, बागवानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन आदि क्षेत्रों में लगभग 4200 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पित और शिलान्यास करेंगे।

राष्ट्रपति बुधवार से जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार से जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 11 से 12 अक्टूबर तक जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगी। राष्ट्रपति 11 अक्टूबर को श्रीनगर में कश्मीर विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। उसी दिन, वह राजभवन, श्रीनगर में स्थानीय आदिवासी समूहों और महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी। राष्ट्रपति राजभवन में उनके सम्मान में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में भी शामिल होंगी। 12 अक्टूबर को राष्ट्रपति श्री माता वैष्णों देवी तीर्थ का दौरा करेंगी, जहां वह पुनर्निर्मित पार्वती भवन और स्काई वॉक का उद्घाटन करेंगी।

इजरायल में तमिल स्टूडेंट्स संकट में

चेन्नई (तमिलनाडु)। इजरायल और फिलिस्तीन के ताजा संघर्ष से तमिलनाडु के स्टूडेंट्स के सामने संकट खड़ा हो गया है। उनका राशन -पानी सब खत्म हो रहा है। यह आश्रय गृहों में जाने के लिए शरण मांग रहे है। तमिलनाडु सरकार इनकी वापसी का प्रबंध कर रही है। राज्य के अल्पसंख्यक मंत्री ने कहा है कि सबका विवरण जुटाया जा रहा है। हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। अब तक 32 लोगों ने सरकार से संपर्क किया है। इनकी स्वदेश वापसी के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने ऑनलाइन फॉर्म भरने की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ इस बारे में निरंतर संपर्क में है। कुछ छात्रों ने अपने परिवारों को सूचित किया है कि उनका राशन-पानी खत्म हो रहा है।वह स्वदेश लौटना चाहते हैं।

सिक्किम आपदा को लेकर केन्द्र सरकार गंभीर नहीं: कांग्रेस

नई दिल्ली

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सिक्किम में आई प्राकृतिक आपदा को लेकर केन्द्र सरकार गंभीर नहीं है। वहां राहत और बचाव कार्य में ढिलाई बरती गई गई है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सिक्किम में आई प्राकृतिक आपदा से लोग परेशान हैं लेकिन शायद उनकी आवाज मोदी सरकार तक नहीं पहुंच पा रही है।

गोगोई ने कहा कि सिक्किम में प्राकृतिक आपदा से करीब 25000 लोग प्रभावित हैं। करीब 7600 लोग बेघर हो चुके हैं। 80 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 3000 पर्यटक फंसे हुए हैं। सिक्किम में करीब 28 राहत शिविरों में 6800 लोग रह रहे हैं। एनएच-10 क्षतिग्रस्त हो चुका है और सेना के 8 जवानों के शव भी मिले हैं। वहां सबका एक ही सवाल है कि आखिर मोदी सरकार सिक्किम की जमीन पर सक्रिय क्यों नहीं है?

गोगोई ने कहा कि आज सिक्किम के लोग पूछ रहे हैं कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम को प्रभावित इलाकों में पहुंचने में देरी क्यों हो रही है? उत्तर सिक्किम में 14 पुल टूट चुके हैं, वहां के लोग आज अंधकार में जीने को मजबूर हैं।

उत्तर सिक्किम सीमा के उस पार चीन बैठा है, जो हर दिन जमीन हथियाने में लगा रहता है। इसके बावजूद मोदी सरकार तत्पर नहीं दिखती है।

लापरवाही

विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश नहीं हुए भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद रमेश बिधूड़ी मंगलवार को संसद की विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश नहीं हुए। उन्हें लोकसभा में साथी सांसद के प्रति अभद्र टिप्पणी के लिए नोटिस भेजा गया था। सूत्रों के अनुसार भाजपा सांसद ने विशेषाधिकार समिति को सूचित किया है कि उनके पहले से निर्धारित अन्य कार्यों के कारण वे समिति के समक्ष पेश नहीं हो सकते। बिधूड़ी इस समय राजस्थान में भाजपा के चुनावी कैंपेन में लगे हुए हैं। सदन में 'चंद्रयान-3 मिशन' पर चर्चा के दौरान कथित अनुचित आचरण के लिए उनके और कुंवर दानिश अली के खिलाफ विभिन्न संसद सदस्यों से प्राप्त शिकायतों के संबंध में रमेश बिधूड़ी से मौखिक साक्ष्य लिया जाना था।

वायरल मशहूर अर्थशास्त्री और नोबेल विजेता अमर्त्य सेन के निधन की खबरें हो रहीं थी वायरल

बंगाल में फैली अमर्त्य सेन की मौत की खबर, हैं सली सलामत

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में दोपहर से लेकर शाम तक मशहूर अर्थशास्त्री और नोबेल विजेता अमर्त्य सेन के निधन की खबरें फैल गई थीं। हालांकि बाद में पता चला कि यह केवल अफवाह थी और अमर्त्य सेन सही सलामत हैं। उनकी बेटी नंदना देब सेन ने मौत की खबर का खंडन किया और कहा कि वो पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं।

दरअसल, अर्थशास्त्र में इस बार की नोबेल पुरस्कार विजेता क्लाउडिया गोल्डिन के नाम से बने अनवेरिफाइड अकाउंट से मंगलवार शाम करीब पांच बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया कि अमर्त्य सेन का कुछ मिनट पहले निधन हो गया है।

इसी पोस्ट का हवाला देते हुए भारत की एक न्यूज़ एजेंसी ने भी मौत की जानकारी दी। जैसे ही ये अफवाह फैली सोशल मीडिया पर अमर्त्य सेन की मौत पर दुख जताने वालों का भी तांता लग गया था। जानकारी मिलते ही बेटी नंदना देब सेन ने इसका खंडन किया। इसके बाद उस न्यूज एजेंसी को भी पोस्ट हटाना पड़ा। यह वही न्यूज एजेंसी है जो भारत चीन विवाद में चीन का फर्जी दावे का पक्ष रखकर देश को गुमराह कर रही थी।

जैसे ही ये अफवाह फैली सोशल मीडिया पर अमर्त्य सेन की मौत पर दुख जताने वालों का भी तांता लग गया था। जानकारी मिलते ही बेटी नंदना देब सेन ने इसका खंडन किया। इसके बाद उस न्यूज एजेंसी को भी पोस्ट हटाना पड़ा। यह वही न्यूज एजेंसी है जो भारत चीन विवाद में चीन का फर्जी दावे का पक्ष रखकर देश को गुमराह कर रही थी।

नंदना देब सेन ने पिता अमर्त्य सेन के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा कि दोस्तों आपकी चिंता के लिए धन्यवाद लेकिन फेक खबर थी। बाबा (पिता) पूरी तरह से स्वस्थ हैं। हमने कैमब्रिज के परिवार के साथ बहुत अच्छा हफ्ता बिताया। उनका (सेन) आखिरी रात में बॉय कहते हुए हग करना हमेशा की तरह मजबूत था। वो हॉर्वड में हर हफ्ते दो कोर्स पढ़ा रहे हैं। जेंडर वाली अपनी बुक पर काम कर रहे हैं- वो हमेशा की तरह व्यस्त हैं।

उल्लेखनीय है कि कोलकाता में 1933 में अमर्त्य सेन मशहूर अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने शांतिनिकेतन, प्रेसीडेंसी कॉलेज और कैंब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज से पढ़ाई की है। वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे।

भ्रष्टाचार के आरोपित IAS विजय दहिया गिरफ्तार

चंडीगढ़। एंटी क्रप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे आईएएस विजय दहिया को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी से पहले दहिया के साथ एसीबी ने कई घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। एसीबी ने बीती 20 अप्रैल को रिंकू मनचंदा नामक व्यक्ति के बयानों पर एफआईआर दर्ज करके लाइजनर पूनम चोपड़ा को गिरफ्तार किया था। जिसके कब्जे से तीन लाख रुपये बरामद किए गए थे। महिला ने पूछताछ में दावा किया था कि उसने यह राशि आईएएस विजय दहिया तथा चीफ स्किल ऑफिसर दीपक शर्मा के इशारे पर ली थी। एसीबी को जांच के दौरान पूनम चोपड़ा के मोबाइल फोन से विजय दहिया की चैट भी मिली थी। इसी के आधार पर एसीबी ने विजय दहिया को हिरासत में लिया।

शुरुआत

मुख्यमंत्री ने भीम संसद रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 01, अणे मार्ग से भीम संसद रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भीम संसद रथ के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के आदर्श, विचार एवं उनके द्वारा किये गये कार्यों से लोगों को अवगत कराया जाएगा। इस अवसर पर भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री सुनील कुमार, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री रत्नेश सादा, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, पूर्व विधायक अरुण मांझी, बिहार राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सहित अन्य राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सभी सरकारी संस्थानों में नियमित रूप से बिजली आपूर्ति की व्यवस्था करें: मुख्यमंत्री

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्य सचिवालय स्थित सभा कक्ष में लोक कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त सुझावों को लेकर समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सरकारी संस्थानों में नियमित रूप से विद्युत की आपूर्ति की व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने देश में सबसे पहले बिहार में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की योजना प्रारंभ की। सबके घर में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लग जाएगा तो बिजली के त्रुटिपूर्ण बिल की समस्या खत्म हो जाएगी। लोग अपनी खपत के अनुसार बिजली बिल का भुगतान करेंगे। ये लोगों के हित में है। हम सब के हित में लगातार काम करते रहते हैं। बचे हुए सभी घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का काम जल्द पूरा करें। इससे सभी को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने का अभियान चलाया गया है। सभी सरकारी भवनों की छत पर सोलर प्लेट्स लगाए जाने का निर्णय लिया गया है ताकि उस भवन में बिजली की आवश्यकता की पूर्ति सौर ऊर्जा से हो जाए। जिन जगहों पर यह काम अभी बाकी है उस काम में तेजी लाएं। सीएम ने कहा कि सौर ऊर्जा असली ऊर्जा है। एक बार हम जहानाबाद जिले के एक गांव में गए थे, जहां पर ग्रामीणों ने बिजली की मांग की थी।

डीआइजी, डीएम एवं एसपी सहित 12 पदाधिकारी पर न्यायालय में मुकदमा दर्ज

बेगूसराय। प्रभारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अखिलेश कुमार ने एक परिवाद पत्र की सुनवाई करते हुए कमिश्नर और आइजी से रिपोर्ट की मांग की है। लोहिया नगर निवासी महेन्द्र चौधरी ने डीआइजी, डीएम, एसपी, सदर डीएसपी, मुख्यालय डीएसपी, नगर थानाध्यक्ष, लोहिया नगर सहायक थानाध्यक्ष अमरजीत सिंह सहित 12 आरोपित के विरुद्ध सीजेएम न्यायालय में परिवाद पत्र दाखिल किया है।

सभी पदाधिकारी के विरुद्ध भारतीय दंड विधान की धारा-467, 468, 323, 307, 506, 34 एवं 120-बी के तहत परिवाद पत्र दाखिल की गई है। परिवादी ने आज न्यायालय को घटना की पूरी जानकारी दी। इसके बाद न्यायालय ने परिवाद पत्र के आलोक में कमिश्नर एवं आइजी से रिपोर्ट की मांग की है। परिवादी ने सभी पदाधिकारी पर आरोप लगाया है कि उसके जमीन की जबरन घेराबंदी कर लिया गया। उस पर ही झूठा मुकदमा दर्ज कर जेल भी भेज दिया गया।

कैबिनेट में 14 एजेंडों पर मुहर, स्थायी अपंगता पर अनुदान

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार दोपहर संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत बिहार राजस्व कर्मचारी नियमावली-2023 के गठन की स्वीकृति सहित कुल 14 एजेंडों पर मुहर लगी।

बैठक के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव, डॉ एस सिद्धार्थ ने प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि वित्त विभाग के अन्तर्गत चुनाव कर्मी/सुरक्षा कर्मी के निर्वाचन कार्य के दौरान मृत्यु या स्थायी अपंगता की स्थिति में देय अनुग्रह अनुदान की स्वीकृति दी गई। पूर्व से निर्गत इस आदेश में राष्ट्रपति तथा उप राष्ट्रपति के निर्वाचन के दौरान भी आदेश प्रभावी होगा, इसे जोड़ा गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम, 2021 की धारा-29(1) में निहित प्रावधान के आलोक में बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के प्रथम परिनियम की स्वीकृति दी गई। सहकारिता विभाग के अन्तर्गत राज्य में अधिप्राप्ति कार्य में संलग्न सहकारी संस्थाओं पैक्स/व्यापार मंडलों को (चावल) की आपूर्ति के आधार पर पूर्व से देय प्रबंधकीय अनुदान की राशि को खरीफ विपणन मौसम, 2022-23 से 10 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर प्रोत्साहन स्वरूप 30 जून तक शत-प्रतिशत आपूर्ति करने पर 30 रुपये प्रति क्विंटल, 31 जुलाई तक शत प्रतिशत आपूर्ति करने पर 25 रुपये प्रति क्विंटल एवं उसके बाद शत-प्रतिशत (चावल) आपूर्ति करने पर 20 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रबंधकीय अनुदान की राशि की भुगतान की स्वीकृति दी गई। गृह विभाग (कारा) के अन्तर्गत कारा चिकित्सा सेवा को सुदृढ़ बनाने एवं मानसिक रोग से ग्रसित बंदियों के विशेष चिकित्सा सुविधा हेतु राज्य के सभी 08 केन्द्रीय काराओं में एक-एक नैदानिक मनोचिकित्सक (संविदा आधारित) का पद सृजित करने की स्वीकृति दी गई। इनमें आदर्श केंद्रीय कारा बेऊर, पटना, केंद्रीय कारा गया, केंद्रीय कारा बक्सर, केंद्रीय कारा पूर्णिया, केंद्रीय कारा मोतिहारी, केंद्रीय कारा भागलपुर, विशेष केंद्रीय कारा भागलपुर, खुदीराम बोस केंद्रीय कारा मुजफ्फरपुर हैं।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत जल संसाधन विभाग के कुल 07 सिंचाई अंचल पदाधिकारियों का बिहार राजस्व सेवा के मूल कोटि के पद-राजस्व अधिकारी एवं समकक्ष ग्रेड में सेवा समायोजन की स्वीकृति दी गई। सामान्य प्रशासन विभाग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिहार प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (बिपार्ड) गया के निर्माण के लिए 10.36 एकड़ रैयतों की भूमि के मुआवजा भुगतान के लिए दस करोड़ सतांईस लाख रुपये के विरुद्ध पुनरीक्षित राशि कुल चौवन करोड़ ग्यारह लाख छियालीस हजार पांच सौ इकहत्तर रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत बिहार वित्त सेवा गृह निर्माण सहयोग समिति लिमिटेड, पटना को पटना जिलान्तर्गत पटना सदर अंचल के मौजा-धीराचक, थाना सं0-16 के विभिन्न खाता एवं खेसरा की कुल रकबा-11.86 एकड़ भवन निर्माण विभाग के स्वामित्व की भूमि अवमाननावाद (सिविल) संख्या- 123/2011 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में लीज पर बन्दोबस्त भू-खण्ड के कतिपय खेसरा का सर्वे नक्शा से रकबा एवं खतियानी रकबा में भिन्नता होने के फलस्वरूप वास्तविक रूप में 11.86 एकड़ के बजाय 12.02 एकड़ आवंटित हो जाने एवं अंश भाग पर भवन निर्माण विभाग के कनीय अभियन्ता का कार्यालय अवस्थित होने के कारण उक्त बन्दोबस्ती सम्बन्धी राजस्व एवं भूमि सुधार विभागीय स्वीकृत्यादेश की भूमि विवरणी को संशोधित करने की स्वीकृति दी गई।

कामयाबी सिमराहा ओपी थाना पुलिस को मिली कामयाबी

बारह घंटे के भीतर लापता दो छात्र को पुलिस ने किया बरामद

अररिया। फारबिसगंज के सिमराहा मदारगंज में आशा कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले लापता हुए दो छात्रों को सिमराहा ओपी थाना पुलिस ने बारह घंटे के भीतर मंगलवार को कटिहार से बरामद कर लिया।कोचिंग का संचालन करने वाले मुकेश कुमार यादव पिता -उगानंद यादव ने सिमराहा ओपी थानाध्यक्ष को सोमवार के शाम आवेदन देकर शौच के लिए गए दो कोचिंग के छात्रों के लापता होने की लिखित शिकायत दर्ज कराया था।

दोनो छात्र सिमराहा स्टेशन से कटिहार जाने वाली ट्रेन में बैठ गया था और ट्रेन से कटिहार जा पहुंचा था। पुलिस ने कटिहार रेलवे स्टेशन के पास से ही दोनों छात्रों को बरामद करते हुए सिमराहा ओपी लेकर आए।छात्रों की बरामदगी की पुष्टि सिमराहा ओपी थानाध्यक्ष राजनंदिनी सिन्हा ने भी की।

बरामद छात्रों में कुर्साकांटा के लक्ष्मीपुर

ललन यादव के 11 साल के पुत्र प्रिंस कुमार और सिमराहा ओपी थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर निवासी मनोज यादव के बारह साल के पुत्र सोनू कुमार है।दोनों छात्र सिमराहा मदारगंज स्थित आशा कोचिंग सेंटर में ही रहकर पढ़ाई करता था।

उल्लेखनीय है कि सोमवार के शाम सिमराहा थानाध्यक्ष को दिए आवेदन में कोचिंग संचालक मुकेश कुमार यादव ने अपने आवदेन में बताया था कि सोमवार की सुबह लक्ष्मीपुर के प्रिंस कुमार पिता ललन यादव एवं सोनू कुमार पिता- मनोज यादव शौचालय के लिए मैदान के बाहर निकले।लेकिन वापस नहीं लौटे।जबकि दोनों लापता छात्र की काफी खोजबीन की गई,लेकिन कहीं भी दोनों छात्रों का पता नहीं चला।उन्होंने लापता हुए दोनों छात्रों के खोजने की पुलिस से गुहार लगाई थी।

पुलिस ने कटिहार रेलवे स्टेशन के पास से ही दोनों छात्रों को बरामद करते हुए सिमराहा ओपी लेकर आए।छात्रों की बरामदगी की पुष्टि सिमराहा ओपी थानाध्यक्ष राजनंदिनी सिन्हा ने भी की। बरामद छात्रों में कुर्साकांटा के लक्ष्मीपुर ललन यादव के 11 साल के पुत्र प्रिंस कुमार और सिमराहा ओपी थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर निवासी मनोज यादव के बारह साल के पुत्र सोनू कुमार है।

पुण्यतिथि पर याद किये गए रामविलास

बीएनएम@केसरिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व रामविलास पासवान की पुण्यतिथि को लोजपा(आर) ने पखवाड़ा के रूप में मनाया। पार्टी नेता मुन्ना पासवान के हुसेनी स्थित अवास पर आयोजित इस पुण्यतिथि कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने स्व पासवान के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। पुण्यतिथि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य अभय कुमार सिंह ने कहा कि स्व पासवान देश के दूसरे अंबेडकर थे। वे हमेशा सभी वर्ग के उत्थान के लिए काम किया। श्री सिंह ने कहा कि हम संकल्प लेते हैं कि स्व पासवान के पुत्र चिराग पासवान के नेतृत्व में हम अपने दिवंगत नेता के सपने को पूरा करेंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पार्टी के प्रखण्ड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि स्व पासवान दूरसंचार में क्रांति लाने का काम किया। उन्होंने सभी समुदाय के लिए समान सोंच रखी।

पंचायत समिति की बैठक संपन्न

बीएनएम@पताही

प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में प्रखंड उप प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह उर्फ नन्हक सिंह लगाले की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक मंगलवार को संपन्न हुई। इस दौरान पूर्व में किए गए बैठक में अबतक क्या कार्रवाई हुई उसपर विशेष चर्चा करते हुए। बैठक में अनुपस्थित पदाधिकारीयो पर करवाई को डीएम को पत्र लिखने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ। साथ ही समिति सदस्यों ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर हो रही गरबारी एवं सेविका की मनमानी का मामला उठाया जिसके बाद सभी सदस्यों ने प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का जांच करने को कमिटी गठन का प्रस्ताव पारित किया। बैठक में मनरेगा, पीएम आवास, आपूर्ति, स्वास्थ्य, मनरेगा सहित अन्य विभागों का उप प्रमुख द्वारा समीक्षा किया गया। मालूम हो कि सोमवार को कोरम के अभाव में पंसस का बैठक अस्थगित हो गया था जिसके बाद मंगलवार को दोबारा पंसस का बैठक आयोजित हुआ। बैठक में पंचायती राज पदाधिकारी रवि कुमार भारती, सीओ सौरव कुमार, मनरेगा पीओ आलोक नाथ झा, मुखिया रीता देवी, अमृता देवी, समिति सदस्य पद्माक्षा रंजन, मो नईम आदि उपस्थित थे।

चैलाहां हाल्ट के पास शरारती तत्वों ने ट्रेन पर किया पथराव, कई चोटिल, एक गंभीर

मोतिहारी। मुजफ्फरपुर-नरकटियागंज रेलखंड के बापूधाम मोतिहारी स्टेशन के बाद स्थित चैलाहां हाल्ट के समीप सोमवार की देर शाम शरारती तत्वों ने 15216 डाउन नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस पर पथराव किया। इसमें कई यात्रियों को चोट पहुंची है।जबकि खिड़की के किनारे बैठे एक यात्री को पत्थर लगने से उसका सिर फट गया।जिससे उसकी स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची राजकीय रेल थाना पुलिस ने गंभीर रूप से जख्मी युवक समेत अन्य चोटिल यात्रियो को बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पर उतारकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया।जहां सभी का इलाज कराया गया। घटना में गंभीर रूप से चोटिल युवक की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के गौनाहा थाने के पकड़ीकला गांव निवासी रसूल नट के पुत्र गुलाब आलम (25) के रूप में हुई है। जबकि अन्य चोटिल यात्रियों की पहचान किया जा रहा है। बताया जा रहा है,कि नरकटियागंज से मुजफ्फरपुर जा रही डाउन 15216 चैलाहां हाल्ट के समीप से गुजर रही थी।इसी बीच कुछ शरारती तत्वों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। इस ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों ने बताया कि अक्सर चैलाहां हाल्ट के समीप शरारती तत्व ऐसी हरकत करते हैं। जीआरपी थानाध्यक्ष जयविष्णु राम ने बताया कि घायल युवक का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।उसका बयान अब तक नही हो सका है,लेकिन रेल पुलिस इस घटना को गंभीरता से लेते हुए छानबीन में जुटी है।

विद्यालय में स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित

बीएनएम@केसरिया। प्रखंड क्षेत्र के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय रामाज्ञा टोला बेनीपुर में मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केसरिया के द्वारा स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की जाँच की गई। इस दौरान चिकित्सक डॉ दशरथ ठाकुर ने अपने सहयोगियों के साथ करीब दो सौ बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की।

इस बाबत चिकित्सक डॉ अतुल शेखर ने बच्चों से कहा कि स्वच्छ रहने से मनुष्य कई बीमारियों से बच सकता है। सभी अपने शरीर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। भोजन के पूर्व व बाद में हाथ धोयें। वही प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से ही अच्छी आदतों को सिखाएं।

सूर्योदय के पूर्व ब्रह्मा मुहूर्त में जगकर व्यायाम का अभ्यास करें। सूर्योदय के पूर्व यदि प्रतिदिन व्यायाम करेंगे तो शरीर की ताजगी बनी रहेगी। वही स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों को स्वास्थ्य से जुड़े कई टिप्स दिए। मौके पर एएनएम मुन्नी कुमारी, शिक्षक बबन कुमार चंचल, पंकज कुमार, मिथिलेश कुमार यादव, जयकिशोर शर्कवाल, श्यामा कुमारी, रिमझिम कुमारी समेत कई लोग उपस्थित थे।

कढ़ान के वार्ड नौ में गंडक नदी में कटाव तेज

बीएनएम@केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के कढान पंचायत के वार्ड नौ के तटवर्ती इलाकों में गंडक नदी में तेजी से कटाव हो रही है। जिसके कारण नदी ने मंगलवार को दो घरों को अपने में समाहित कर लिया है। वहीं उक्त जगह नदी का रूप और विकराल होता जा रहा है। जिससे डर कर तटवर्ती बसे लोगों ने अपना आशियाना खाली करना शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि चंचल प्रसाद व साधु राय का घर नदी की तेज कटाव का शिकार हो गया। वहीं गणेश राय, पप्पू राय, सोनू राय, अवध राय, हाकिम राय, वीरेंद्र राय सहित अन्य कटाव की स्थिति को देखते हुए अपना आशियाना तोड़ रहे हैं। पीड़ति साधु राय ने बताया कि अब परिवार के समक्ष रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है। फिलहाल अस्थायी रूप से बाँध पर शरण लेंगे। अन्य पीड़तिों की भी यही स्थिति है। इस आपदा में उक्त जगह के पशुपालकों के समक्ष अपने मवेशियों के लिए पशुचारा की भी समस्या उत्पन्न हो गई है। पूर्व सरपंच उपेंद्र यादव ने बताया कि नदी में लगातार हो रहे कटाव ने चिंता बढ़ा दी है। पीड़ति लोगों के समक्ष रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है। वही जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता विनय कुमार सिंह की माने तो कटावरोधी कार्य को लेकर हाथीपांव व ब्रिक्सबैट बनाकर कटाव वाली जगह पर डाला जा रहा है ताकि इसको रोका जा सके। इसके अलावा बचाव को लेकर अन्य कार्य तेजी से किया जा रहा है। तटवर्ती लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। इधर, विधायक शालिनी मिश्रा ने स्थल पर पहुँच स्थिति की जानकारी ली। साथ हीं संबंधित अधिकारियों को मुस्तैद रहते हुए कटावरोधी कार्य तेजी से कराने को कहा। कटाव को रोकने के लिए गंडक नदी में इसी वर्ष मई माह में नदी के किनारे प्रकोपायान पिलर बनाया गया था। ताकि कटाव को रोक जा सके।

कामयाबी दो पिस्टल, पांच कारतूस, मादक पदार्थ, स्कॉर्पियो, बाइक व चाकू बरामद

चर्चित संवेदक राजीव रंजन हत्याकांड़ के मुख्य शूटर सहित पांच गिरफ्तार

मोतिहारी।जिले के चकिया में चर्चित संवेदक राजीव रंजन हत्याकांड़ के मुख्य शूटर सहित पांच अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पांचो की गिरफ्तारी एएसपी राज के नेतृत्व में तुरकौलिया थाना के बिजुलपुर गांव से हुई है। एसपी कांतेश कुमार मिश्र को मिली सूचना के पश्चात गठित टीम ने गांव की घेराबंदी कर हत्या में शामिल सहित अपराधियों को घर में संरक्षण देने के आरोप में बिजुलपुर गांव निवासी धामू कुमार उर्फ अरमान पिता बालेश्वर ठाकुर को भी गिरफ्तार कर लिया।

एएसपी ने मंगलवार को पत्रकारो को बताया कि जिले का टॉप टेन अपराधी एवं संवेदक हत्याकांड सहित कई अन्य हत्या में शामिल कुख्यात कुणाल सिंह का शार्गिद मुख्य शूटर पुष्कर सिंह अपने साथियों के साथ हथियार लेकर किसी बड़ी घटना को अंजाम

देने के लिए तुरकौलिया थाना के बिजुलपुर गांव में एकत्रित हुए थे। प्राप्त सूचना के आलोक में पुलिस टीम का गठन किया गया। जिसमें एसएचओ तुरकौलिया अनिल कुमार, एसएचओ बंजरिया प्रभाकर पाठक, जिला आसूचना ईकाई के अखिलेश मिश्र, ज्वाला सिंह,मिथिलेश कुमार,पुअनि वेदा भारती, पुअनि ईश्वर बैठा, प्रशिक्षु पुअनि सुधीर कुमार, जिला सूचना इकाई के चिरंजीवी, लव कुमार सिंह एवं सशस्त्र बलों की टीम को उनके नेतृत्व में शामिल किया।

तत्पश्चात पुलिस ने उक्त गांव की धेराबंदी करते हुए धामू कुमार के घर की तालाशी की गई। जहां से मुख्य शूटर पुष्कर सिंह पिता विपिन बिहारी सिंह ग्राम कुड़या थाना पीपराकोठी, विपुल सिंह पिता रमेश ठाकुर ग्राम सरियतपुर थाना पीपरा, उज्जवल सिंह पिता स्व. प्रमोद सिंह ग्राम चैलाहां थाना बंजरिया, अमित श्रीवास्तव पिता रमाशंकर प्रसाद सपगढ़ा थाना चिरैया को हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया। जबकि धामू उर्फ अरमान की गिरफ्तारी अपराधियों को शरण देने के आरोप में की गई है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो पिस्टल, पांच कारतूस, दो चाकू, 1.28 किलोग्राम चरस, एक स्कॉर्पियो व एक बाइक बरामद की है। एएसपी राज ने बताया कि गिरफ्तार पुष्कर एक शातिर अपराधी है। जिसके विरूद्ध पिपराकोठी थाना में हत्या के चार मामले सहित पुलिस पर हमला, रंगदारी एवं एके-47 की बरामदगी सहित चकिया में संवेदक राजीव रंजन हत्याकांड़ का मामला दर्ज है। वहीं विपुल सिंह पर चकिया थाना में संवेदक हत्या मामले का अभियुक्त है। वहीं अन्य गिरफ्तार बदमाश भी हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे। इस हत्याकांड में पुलिस का अनुसंधान अब भी जारी है। मामले में नामजद राहुल सिंह मुखिया सहित अन्यों की खोज की जा रही है।

11वीं व 12वीं मासिक जाँच परीक्षा कार्यक्रम जारी

मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज में सत्र 2022-24 व सत्र 2023-25 के इंटरमीडिएट विज्ञान व कला संकाय में नामांकित विद्यार्थियों के लिए कक्षा 11वीं व कक्षा 12 वीं की मासिक जाँच परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। प्रधानाचार्य प्रो.(डॉ.) अरूण कुमार ने बताया कि शेष पत्रों की मासिक जाँच परीक्षा 12, 13, 14 एवं 16 अक्टूबर को चार पालियों में ली जाएगी। ज्ञातव्य हो कि यह परीक्षा 4 व 5 अक्टूबर को संचालित होने के बाद महाविद्यालय बंद रहने के कारण स्थगित हो गई थी। परीक्षा नियंत्रक डॉ.सर्वेश दूबे के अनुसार कक्षा 11वीं के लिए प्रथम पाली का समय पूर्वाह्न 09:30 बजे से पूर्वाह्न 11:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली का समय पूर्वाह्न 11:30 से अपराह्न 01:00 बजे तक निर्धारित है। वहीं कक्षा 12 वीं के लिए प्रथम पाली का समय अपराह्न 01:30 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तथा द्वितीय पाली का समय अपराह्न 03:30 से अपराह्न 05:00 बजे तक निर्धारित है।

अवैध नर्सिंग होम की जांच करने पहुंची टीम

15 नर्सिंग होम व निजी क्लिनिक में छापेमारी

अब तक जांच के नाम पर होती रही है खानापूर्ति

मोतिहारी

जिले के कोटवा प्रखंड क्षेत्र में गैर कानूनी रूप से संचालित निजी क्लिनिक और नर्सिंगहोम के खिलाफ मंगलवार को छापेमारी की गई।

सीएस डा अंजनी कुमार के निर्देश पर पीएचसी प्रभारी व अन्य चिकित्सा पदाधिकारी के साथ गठित जांच टीम ने मंगलवार को जैसे ही कोटवा बाजार में निजी क्लिनिक और नर्सिंगहोम की जांच शुरू की धड़ाधड़ शटर गिरने लगे।जांच की सूचना पर पूरे कोटवा में हड़कंप मच गया।

ज्यादातर नर्सिंगहोम व क्लिनिक के शटर गिर गए। इस दौरान 15 क्लिनिक और अस्पतालों की जांच की गई। उनसे कागजात की मांग करते हुए बुधवार को कोटवा पीएचसी में आकर अपने सम्बंधित कागजात दिखाने को कहा गया है।

हालांकि बाद में दंडाधिकारी के अनुपस्थिति के कारण जांच स्थगित कर दिया गया। जांच टीम में डॉ सत्येंद्र कुमार,डॉ ललन कुमार,बीसीएम मनीष कुमार शर्मा,बीएचएम विकाश कुमार आदि शामिल थे। जांच में स्थानीय पुलिस भी मौजूद थी।

इस बाबत पीएचसी प्रभारी सह चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुशील कुमार ने बताया कि दण्डाधिकारी के नही होने के कारण जांच स्थगित कर दिया गया है।

वही जिनकी जांच हुई है उन्हें बुधवार को अपने कागजात के साथ पीएचसी बुलाया गया है। यहां बता दें कि कोटवा में बड़ी संख्या में अवैध नर्सिंग होम व क्लिनिक संचालित हैं। एक वर्ष से इस मामले में जांच के नाम पर महज खानापूर्ति हो रही है। लिहाजा चर्चा यह भी है कि विभाग की सह पर इनका संचालन होता है या इस पर रोक भी लगेगी।

47वीं वाहनी एसएसबी के द्वारा मेरा देश मेरी माटी कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़वा। रक्सौल बॉर्डर पर तैनात 47वि वाहनी एसएसबी के द्वारा रामगढ़वा प्रखंड कार्यालय में मेरा देश मेरी माटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उप प्रमुख अवनीश कुमार उर्फ़ अरविंद पांडे बीडीओ मो सज्जाद ने किया। इस अवसर पर बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार दास, मनरेगा पीओ अमृतेश कुमार, सीओ मणि भूषण कुमार सहित कार्यालय के सभी कर्मियों ने कलश में मिट्टी संग्रहित किया।

इस अवसर पर वीडियो मो सज्जाद ने कहा कि संग्रहित मिट्टी को भारत सरकार के द्वारा दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम मैं भेजा जाएगा। इन्होंने कहा की यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण हैं !इससे लोगों में राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना बहुत ज्यादा मजबूत होगी। एसएसबी द्वारा इस कार्यक्रम की

अंचलाधिकारी ने प्रशंसा की और कहा कि एसएसबी द्वारा पहले रामगढ़वा आकर शहीदों के समाधि स्थल से मिट्टी संग्रहित करने का काम किया जा चूका हैं। अधिकारियों, कर्मचारीयों ने मिट्टी संग्रहण किया। इस कार्य कों लेकर सभी लोगों में काफी उत्साह देखा गया। ऐसी कार्य एसएसबी के द्वारा शुरू से ही बढ़ चढ़कर किया जाता है।

बच्चो के बीच फैल रही नशीली ड्रग्स के सेवन से बचाने को लेकर रूपरेखा तैयार

दवा दुकानदारों को सीसीटीवी की निगरानी में चलानी होगी दुकान

एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को दिया अभियान चलाने का आदेश

मोतिहारी। जिले में एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के संयुक्त कार्य योजना को प्रभावी ढ्ग से लागू करने को लेकर नोडल पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। जिला बाल संरक्षण ईकाई के तत्वाधान में आयोजित समीक्षा बैठक में सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण ईकाई ने बताया कि इस कार्य योजना को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), संबंधित मंत्रालयों एवं अन्य हितधारक जैसे राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) एम्स, सैनिक स्कूल-रक्षा मंत्रालय, एनसीसी और सीडीएससीओ - स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की ओर से तैयार किया गया है। जिसका उद्देश्य बच्चों में फैल रही नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम के साथ ही इसकी तस्करी पर अंकुश लगाना है।

इसके लिए समयबद्ध तरीके से बच्चों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से दूर करने की जरूरत है। बैठक में स्कूलों/शैक्षिक संस्थानों के आसपास के क्षेत्रों में दवाओं की बिक्री पर रोकने लगाने के लिए गहन समीक्षा की गई। बैठक में उपस्थिति अधिकारियो को निदेशित किया गया कि वे बच्चों को नशीली दवाओ तथा नशा के रूप में बेचे जाने वाले पदार्थ सहित अन्य सामाग्री की अवैध विक्री के विरूद्ध सुसंगत धाराओं के तहत कारवाई सुनिश्चित करेंगे

बीमकनसम एच व एक्स ड्रग्स विक्री पर बढेगी निगरानी

एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी मेडिकल एवं फार्मसी स्टोर्स पर बीमकनसम एच और एक्स ड्रग्स की विक्री की निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापित कराने हेतु निदेश प्राप्त है। उक्त के आलोक में दण्ड प्रकिया संहिता की धारा 133 के तहत जिला पदाधिकारी द्वारा भी 27 सितम्बर 2023 को आदेश निर्गत किया गया है तथा निर्देश दिया गया है कि जिन मेडिकल एवं फार्मसी स्टोर्स पर सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापित नही है, ऐसे में उक्त दुकानदार एक महीने के अंदर अधिष्ठापन करना सुनिश्चित करेंगे। सीसीटीवी फुटेज की जांच आवश्यकतानुसार जिला औषधि नियंत्रक तथा बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी द्वारा की जाएगी।

विद्यालयों में बनेंगे प्रहरी क्लब

इस क्लब का उद्देश्य बच्चों के लिए बने स्कूलों/शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों के बीच नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के उपयोग की रिपोर्टिंग और रोकथाम करना होगा। इस अवसर पर सिविल सर्जन, डीएसपी मुख्यालय, उत्पाद अधीक्षक, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा, जिला औषधि निरीक्षक, विभिन्न ड्रग इंस्पेक्टर तथा बाल संरक्षण पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला बंध्याकरण में राज्य में दूसरे स्थान पर पश्चिमी चम्पारण

बेतिया। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश के अनुसार बढ़ती जनसंख्या पर रोकथाम हेतु समय - समय पर लोगों को जागरूक करते हुए जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। जिसमें आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, जीविका दीदी व स्वास्थ्यकर्मियों के सहयोग से महिला बंध्याकरण, व पुरुष नसबन्दी कराई जाती है। ये कहना है जिले के आशा समन्वयक राजेश कुमार का।

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि जिले में पिछले महीने 04 से 26 सितंबर तक जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा मनाया गया। जिसमें महिला बंध्याकरण के मामले में पश्चिमी चंपारण (बेतिया) जिले को राज्य रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। डीसीएम राजेश कुमार ने जिले में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत सभी 18 प्रखंडों के प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा सारथी रथ से माइकिंग व सघन प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के तहत पश्चिमी चम्पारण में 1127 महिलाओं का बंध्याकरण, 704 सामान्य महिलाओं को कॉपर टी लगाया गया। एमपीए अंतरा इंजेक्शन 778, गर्भनिरोधक गोलियां 1198, माला एन 3292 एवं छाया की गोली 5887, कंडोम 75419 वितरित की गईं। वहीं अभियान की सफलता पर सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे, डीपीएम अमित अचल व अनुश्रवण पदाधिकारी विनय कुमार सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों की मेहनत से अभियान में सफलता मिली है। सीएस ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मियों ने दंपतियों से मिल परिवार नियोजन के स्थाई और अस्थाई साधनों को अपनाने के लिए जागरूक किया है।

डीसीएम राजेश कुमार ने बताया कि महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया सरल है।

सेविका व सहायिकाओं ने मानदेय वृद्धि व राज्य कर्मी की दर्जा देने को लेकर हड़ताल

बीएनएम@ रामगढ़वा

मानदेय वृद्धि व राज्य कर्मी की दर्जा देने सहित पांच सूत्री मांगो कों लेकर रामगढ़वा की सेविका व सहायिकाओ ने बाल विकास परियोजना कार्यालय पर आंदोलन के पहले दिन भूख हड़ताल किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड संघ के अध्यक्ष बबीता देवी व अन्य सेविका व सहायिकाओं ने बताया कि यह हड़ताल उनके राज्य स्तरीय संगठन के आवाहन पर किया जा रहा हैं।

हड़ताल के पहले दिन भूख हड़ताल के कार्यक्रम है और आज रामगढ़वा प्रखंड के अंतर्गत संचालित सभी बल विकास परियोजना केंद्र के सेविका व सहायिकाओं के द्वारा सरकारी कों भूखे रहकर आंदोलन कर मनवाने का काम किया जा रहा है। इन्होंने बताया कि

निम्न मानदेय पर काम कर रहे हैं।

सरकार से इतना काम मानदेय मिलता हैं की जिससे एक सदस्य का भी सही ढंग से गुजारा सम्भव नहीं हैं। इससे इनके परिवार के भबिष्य की चिंता इनलोगो पर हैं। हड़ताली सहायिका व सेवकी ने बताया सरकार जबतक इनकी मांगो कों नहीं मानती हैं तब तक हड़ताल चलेगा।

मौके पर अंजू देवी, रीता देवी, भिभा देवी, आशा देवी, भावना यादव, रेणु देवी, पूनम देवी, प्रतिमा देबी, नमिता कुमारी, अंजू प्रिया, नसीमा खातून, अकलीमा खातून, सुमित्रा देवी, सोभा देवी, सहित प्रखंड के सभी सहायिका एवं सेविका उपस्थित थी।

BORDER NEWSMIRROR

Wednesday 11 October 2023

Editorial

मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां

आयुर्वेद के अनुसार यदि आत्मा, मन और इंद्रियां प्रसन्न रहें तो आदमी को स्वस्थ कहते हैं । ऐसा स्वस्थ आदमी ही सक्रिय हो कर उत्पादक कार्यों को पूरा करते हुए न केवल अपने लक्ष्यों की पूर्ति कर पाता है बल्कि समाज और देश की उन्नति में योगदान भी कर पाता है । निश्चय ही यह एक आदर्श स्थिति होती है परंतु यह स्थिति किसी भी तरह निरपेक्ष नहीं कही जा सकती। जीवन का आरम्भ और जीने की पूरी प्रक्रिया परिस्थितियों के बीच उन्हीं के विभिन्न अवयवों से बनते-बिगड़ते एक गतिशील परिवेश के बीच आयोजित होती है । उदाहरण के लिए देखें तो पाएंगे सांस लेना भी परिवेश से मिलने वाले आक्सीजन पर निर्भर करता है जो नितांत स्वाभाविक और प्राकृतिक लगता है पर प्रदूषण होने पर या फेफड़े में संक्रमण हो तो मुश्किल हो जाती है । कोविड महामारी में यह सबने बखूबी देखा और पाया था । वस्तुतः हमारा परिवेश भौतिक, सामाजिक और मानसिक हर स्तर पर सक्रिय होता है और ये सभी एक दूसरे से सघनता से गुंथे होते हैं । इन परिवेशों को भी आदमी अपने हस्तक्षेप से रचता-गढ़ता रहता है। मनुष्य की अब तक की संस्कृति-यात्रा इसका ज्वलंत प्रमाण प्रस्तुत करती है। वस्त्र,आवास,आहार, अलंकरण और तमाम सामाजिक संस्थाएं इत्यादि-सभी कुछ मनुष्य रचता रहा है और अपनी इन रचनाओं के सम्पर्क में आकर खुद भी बदलता रहा है। इस तरह स्वयं और परिवेश पर दुतरफा प्रभाव डालने वाली अंत: प्रक्रिया विभिन्न स्तरों पर अनवरत चलती चली आ रही है । मनुष्य निजी और सामाजिक स्मृति धारण करता है जिससे सब कुछ संचित होता हुआ आगे के लिए भी उपलब्ध रहता है । इस सब के बीच हम अपने अल्पकालिक (जैसे -क्षणिक और दैनिक)और दीर्घकालिक लक्ष्य और उपक्रम चलाते रहते हैं । मनुष्य के रूप में हमारा शरीर नित्य क्षण-क्षण की योजना के साथ निरंतर कार्य करता है । हमारा पाचन तंत्र , श्वसन तंत्र , ज्ञान और कर्म की इंद्रियां , हृदय, मस्तिष्क आदि सभी निरंतर कार्यरत रहते हैं और हमें इसका पता भी चलता रहता है कि उनकी गतिविधि किस तरह की है।

सर्वोदय के लिए संपूर्ण क्रांति और ग्रामोदय

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

सर्वोदय 20वीं शताब्दी के भारत के सामाजिक चिंतन की केंद्रीय अवधारणा है। गांधी द्वारा विकसित यह सिद्धांत वर्गमूलक पश्चिम, समाजवाद एवं पूंजीवाद का भारतीय विकल्प था। यद्यपि रस्किन की रचना 'अन टू दिस लास्ट' का प्रभाव गांधी ने भी स्वीकार किया है, परंतु सर्वोदय की जो अवधारणा गांधी प्रस्तावित करते हैं, वह रस्किन और उसके बाद भी पश्चिम में कहीं पल्लवित होती हुई दिखाई नहीं देती। इसलिए कि सर्वोदय अपने मूल और प्रकृति, दोनों में विशुद्ध भारतीय अवधारणा है, जो 'सर्वे भवंतु सुखिन:' और 'मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्' पर आधारित है। पश्चिम के विचार का विकल्प मानकर इसे पश्चिमी विचारों के प्रत्युत्तर के रूप में नहीं देखा जा सकता। ऐसा करना भूल होगी क्योंकि यह प्रत्युत्तर नहीं, समावेशी वैकल्पिक सभ्यता का प्रस्ताव है। यह भारत की चिरंतन राजनीतिक एवं सामाजिक विचारसरणी का समकालीन आख्यान है। गांधी के विचारों का यह प्रवाह स्वातंत्र्योत्तर भारत में अंतिम आदमी के उत्थान या अंत्योदय की अवधारणा में दिखाई देता है। दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय को एकात्म मानव दर्शन की सभ्यता की प्राप्ति के साधन के रूप में देखते हैं। गांधी और दीनदयाल के इस चिंतन को लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने समग्र क्रांति के रूप में व्याख्यायित किया। राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख ने संपूर्ण क्रांति के प्रारंभ के बिंदु को पहचानकर ग्रामोदय की अवधारणा प्रस्तुत की और यह प्रतिपादित किया कि ग्रामोदय ही अंत्योदय का साधन एवं सर्वोदय के साध्य की प्राप्ति का एकमात्र रास्ता है। ग्रामोदय का विचार एक ऐसी समरस सामाजिक स्थिति की प्राप्ति है, जिसमें जाति के होते हुए भी जातिविहीन समाज का निर्माण संभव है। जिसमें हजारों वर्षों से वर्ण और जाति ने जो सगुण शक्ति शिल्प, कौशल एवं व्यापार के अनुभव से अर्जित की है, उसे ग्रामोत्थान के सामूहिक प्रयास के रूप में रुपांतरित किया जाए तो गांव एक ऐसी सुगठित इकाई की स्थिति प्राप्त करे, जिसमें सहयोग, सहकार, क्षमता के साथ समरसतापूर्ण जीवन सहज ही अभिव्यंजित होगा। इस सुविचार का आधार गांधी का सर्वोदय और दीनदयाल का अंत्योदय है और इसकी गति-शक्ति जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति है। पटना के गांधी मैदान में जयप्रकाश ने यह ऐतिहासिक नारा दिया था कि "जात पात को तोड़ दो, तिलक दहेज छोड़ दो। समाज के प्रवाह को नई दिशा में मोड़ दो।" तो यह आवाज केवल राजनीतिक आजादी के लिए आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल नहीं था, अपितु संपूर्ण क्रांति की पीठिका थी। संपूर्ण क्रांति को अंत्योदय के रूप में परिभाषित करते हुए जेपी ने कहा था कि संपूर्ण क्रांति से मेरा तात्पर्य समाज के सबसे दबे-कुचले व्यक्ति को सत्ता के शिखर पर देखना है। उन्होंने इस समय कहा कि यही संपूर्ण क्रांति है। विधानसभा का विघटन इस क्रांति का उद्देश्य नहीं है। यह तो महज एक मील का पत्थर है। हमारी मंजिल तो बहुत दूर है और हमें अभी बहुत दूर तक जाना है। जयप्रकाश ने जब यह हुंकार भरी थी तो उनके पीछे जो चट्टान की भांति अडिग खड़ा व्यक्ति था, वह नानाजी देशमुख थे। उन्होंने जयप्रकाश के आंदोलन को केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं होने दिया और संपूर्ण क्रांति को समग्र व्यवस्था परिवर्तन माना। जेपी ने समग्र व्यवस्था परिवर्तन के जो प्रमुख बिंदु गिनाए थे, उनमें भ्रष्टाचार का खात्मा, बेरोजगारी का समापन, शिक्षा में समग्र परिवर्तन आदि थे।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के निवर्तमान कुलपति एवं प्रख्यात दर्शनशास्त्री हैं।)

Today's **Opinion**

इंदिरा का आपातकाल और लोकनायक जेपी

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय लोकतंत्र के महानायक जयप्रकाश नारायण का जन्म 11 अक्टूबर, 1902 को बिहार के सिताबदियारा गांव में हुआ था। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ जब देश विदेशी सत्ता के अधीन था और स्वतंत्रता के लिए छटपटा रहा था। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा सारन और पटना जिले में हुई । वे विद्यार्थी जीवन से ही स्वतंत्रता के प्रेमी थे और पटना में बिहार विद्यापीठ में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश लेने के साथ ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने लगे। वे 1922 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गये। जहां उन्होंने 1922 से 1929 तक कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय व विसकांसन विवि में अध्ययन किया। वहां पर अपने खर्चे को पूरा व नियंत्रित करने के लिए खेतों व रेस्टोरेंट में काम किया। वे मार्क्स के समाजवाद से प्रभावित हुए। उन्होनें एमए की डिग्री प्राप्त की। इसी बीच उनकी माता जी का स्वास्थ्य काफी बिगड़ने लगा जिसके कारण वे अपनी पढ़ाई को छोड़कर स्वदेश वापस आ गये। भारत वापस आने पर उनका विवाह प्रसिद्ध गांधीवादी बृजकिशोर प्रसाद की पुत्री प्रभावती के साथ हुआ। जब वे अमेरिका से वापस लौटे तब भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चरम सीमा पर था। वे भी भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का हिस्सा बने। 1932 में गांधी तथा सहित अन्य नेताओं के जेल जाने के बाद उन्होंने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। अंततः उन्हें भी 1932 में जेल में डाल दिया गया। नासिक जेल में उनकी मुलाकात मीनू मसानी ,अच्युत पटवर्धन ,सी के नारायणस्वामी सरीखे कांग्रेसी नेताओं के साथ हुई। जेल में चर्चाओं के बाद कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का जन्म हुआ। यह पार्टी समाजवाद में विश्वास रखती थी। 1939 में उन्होंने अंग्रेज सरकार के खिलाफ लोक आंदोलन का नेतृत्व किया। सबसे बड़ी बात यह है कि जेपी स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में हथियार उठाने के पक्षधर थे। उन्होंने सरकार को किराया और राजस्व को रोकने का अभियान चलाया। टाटा स्टील कंपनी में हड़ताल करवाकर यह प्रयास किया कि अंग्रेजों को स्टील, इस्पात आदि न पहुंच सके। जिसके कारण उन्हें फिर हिरासत में ले लिया गया। उन्हें नौ माह तक जेल की सजा सुनायी गयी। आजादी के बाद जयप्रकाश नारायण ने 19 अप्रैल 1954 को बिहार के गया में विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन के लिए जीवन समर्पित कर दिया। 1959 में उन्होंने लोकनीति के पक्ष में राजनीति करने की घोषणा की। 1974 में उन्होंने बिहार में किसान आंदोलन का नेतृत्व किया और तत्कालीन बिहार सरकार के इस्तीफे की मांग की। जेपी प्रारम्भ से ही कांग्रेसी शासन विशेषकर इंदिरा गांधी की राजनीतिक शैली के प्रखर विरोधी थे। 1975 में इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता को बचाकर रखने के लिए आपातकाल लगा दिया। आपातकाल के दौरान देश के विपक्षी दलों के नेताओं को जेलों में डाल दिया गया । लगभग 600 से अधिक नेताओं को जेल में डाला गया तथा उन पर जेलों में अमानवीय अत्याचार किया गया। जनता पर प्रतिबंध लगाये गये। आपातकाल में अत्याचारों से परेशान जनता कांग्रेस से बदला लेने के लिए उतावली हो रही थी। जनता व नेताओं को अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए जेपी ने अथक प्रयासों से विपक्ष को एक किया और 15 जून 1975 को पटना में ऐतिहासिक रैली में जेपी ने सम्पूर्ण क्रांति का आह्वान किया। 1977 के चुनाव में देश को पहली बार कांग्रेस से मुक्ति मिली। लेकिन भारत के दुर्भाग्यवश जेपी का यह अथक प्रयास बीच में ही टूट गया और उनके प्रयासों से बनी पहली गैर कांग्रेसी सरकार बीच में ही बिखर गयी। इससे उनको मानसिक दुःख पहुंचा। लोकनायक जयप्रकाश नारायण सम्पूर्ण क्रांति में विश्वास रखते थे। उन्होंने बिहार से ही सम्पूर्ण क्रांति का आरम्भ किया था । वे घर- घर क्रांति का दीया जलाना चाह रहे थे। जेपी का जीवन बहुत ही संयमित व नियंत्रित रहता था । वे राजनीतिक जीवन में उच्च आदर्शों का पालन करते थे जो देश के कई राजनीतिक दलों को पसंद नहीं थे। बिहार के अधिकांश नेता मसलन लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और रामविलास पासवान आदि कभी जेपी आंदोलन के युवा नेता हुआ करते थे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

साहित्यिक हलचल

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

डॉ सत्यवान सौरभ

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है।

भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है।

किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है।

सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए।

समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं। इससे कुछ लोग दूसरों को हीन और सम्मान के योग्य समझने लगते हैं। साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं।

> **साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं। साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।**

साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

पीड़ित व्यक्ति/लोग शायद ही कभी प्रतिशोध के डर से या गंभीरता से नहीं लिए जाने के डर से अधिकारियों को घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। यहां तक कि जब मामलों की सूचना दी जाती है, तब भी अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई की कमी के कारण उद्देश्य विफल हो जाता है। भारत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 और 505 मुख्य प्रावधान हैं, जो भड़काऊ भाषणों और अभिव्यक्तियों से निपटते हैं जो 'घृणास्पद भाषण' को दंडित करने की कोशिश करते हैं।

हेट स्पीच से निपटने के लिए एक अलग कानून की अनुपस्थिति के कारण मौजूद खामियों का दुरुपयोग हुआ है। 2017 में, समिति ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें ऑनलाइन हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त कानूनों की सिफारिश की गई थी।प्रत्येक राज्य में एक राज्य साइबर अपराध समन्वय होना चाहिए, जो एक अधिकारी होना चाहिए जो पुलिस महानिरीक्षक के पद से कम का न हो। प्रत्येक जिले में एक जिला साइबर क्राइम सेल होना चाहिए।

इसने 5,000 के जुर्माने के साथ दो साल तक की सजा का प्रस्ताव किया। विधि आयोग की सिफारिशों को लागू करना: विधि आयोग ने अपनी 267 वीं रिपोर्ट में आईपीसी की धारा 153(B) के तहत 'नफरत को उकसाने पर रोक लगाने और कुछ मामलों में डर, अलार्म या हिंसा भड़काने' पर आईपीसी की धारा 505 के तहत नए प्रावधान जोड़कर भारतीय दंड संहिता में संशोधन का सुझाव दिया।

यह बातचीत, मध्यस्थता और मध्यस्थता के माध्यम से हेट स्पीच की समस्या का समाधान करने का एक बेहतर तरीका है। भारत में शिक्षा प्रणाली दूसरों के प्रति सहिष्णुता, करुणा और सम्मान को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। लोगों को विविधता, एक बहुलवादी समाज के महत्व और भारत की एकता में इसके योगदान के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया के उद्भव ने हेट स्पीच के निर्माण, पैकेजिंग और प्रसार के लिए कई मंच तैयार किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टीवी बहसों पर हेट स्पीच के संबंध में भी चिंता जताई है। इसलिए इन माध्यमों को विनियमित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए. हेट स्पीच लोकतंत्र के दो प्रमुख सिद्धांतों- सभी के लिए समान सम्मान की गारंटी और समग्रता की सार्वजनिक भलाई, को खतरे में डालती है। मीडिया द्वारा एक आचार संहिता को अपनाने, निजी और सार्वजनिक संस्थानों द्वारा स्व-नियमन और बहुलवाद का सम्मान करने के महत्व और हेट स्पीच से उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

2020 में हेट स्पीच के मामलों में कन्विक्शन रेट 20.4% था। जिससे यह पता चलता है कि मामले तो दर्ज़ होते हैं लेकिन सजा नहीं दी जाती, जिससे लोगों के अंदर डर की भावना पनप नहीं पाती और ऐसे ही सामाजिक सद्भाव और समाज के ताने बाने से खिलवाड़ की जाती रहती है।

कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

नमिता गुप्ता मनसी

प्रेम में संवाद..

सुनों बुद्धू राम !!!!
इतने भी चुप मत रहा करो
कि सबको सुनाई देने लगे !!

क्या बोलूं..
कुछ है ही नहीं..
वहीं रोज़ का काम !
तुम ही कुछ बोलो न,
हमेशा की तरह..

हम्मम,,,
ठीक है..मैं ही शुरू करती हूं,
अच्छा बताओ..
तुमने कभी पीला पत्ता देखा है ?
लो ..देखो ,
पता है न
ये अब कभी हरा नहीं होगा ,
ध्यान से पढ़ो इसकी एक-एक लकीर को
मानों इतिहास हो
सभी जाते हुए मौसमों का ,

देखो न..
ठीक जहां से छूटा है ये
वहीं से फूटने लगा है
थोऽऽऽड़ा सा हरापन ,
हमारा प्रेम भी कुछ ऐसा ही है न
बिल्कुल इस पीले पत्ते की तरह ,
है न !!

वह बोला
कुछ देर रुककर..

हम्म्म.
तो अब क्या जरूरत है
शाब्दिक औपचारिकता की ,
ये पीला पत्ता ही हमारे प्रेम का संवाद है ,,
हैं न !!
समझी नालायक लड़की !!!!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

गरिमा लखनवी

राम चरित

रामजी ने जन्म लिया,
माता-पिता का मान बढ़ाया धर्म,
मातृभूमि की रक्षा करना,
सबको यह पाठ पढ़ाया,
अपने चरित्र का मान करके,
दुनिया को सही रास्ता दिखाया,
राम जी जैसा पुरुष इस दुनिया में कोई नहीं,
पिता को दिए वचन को उन्होंने पूरा कर दिया,
मर्यादा का हम सबको पाठ पढ़ाया,
पत्नी धर्म का मान बढ़ाया,
राम जी जैसा कोई नहीं,
जो भी उन्हें सेवक मिला,
उसको उन्होंने गले लगाया,
राम नाम का जो जाप करता,
वो दुनिया से तर जाता है ,
एक पुत्र पिता राजा का मान बढ़ाया,
उनके चरणों में कोटि कोटि प्रणाम हमारा।।

लघुकथा: मुलाकात

वीरेंद्र बहादुर सिंह

कालेज में पढ़ने वाली ऋजुता अभी तीन महीने पहले ही फेसबुक से मयंक के परिचय में आई थी। दोनों घंटों चैट करते थे। शुरू-शुरू में दोनों में औपचारिक बातें ही होती थीं।

धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रणय की बातें होने लगी थीं। दोनों एकदूसरे का फोटो भी लेनेदेने लगे थे। मयंक ने एक दिन ऋजुता के सामने विवाह का प्रस्ताव रख दिया। ऋजुता उसकी बातों से काफी प्रभावित थी।

वह उसे अच्छा भी लगने लगा था। इसलिए उसने मयंक से एक बार मिलने की बात कही। मयंक ने भी उसकी बात मान ली।

मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।

> **मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।**

मयंक पहले से ही हाथ में बुके लिए खड़ा था। ऋजुता आश्चर्य से उसे देखती रह गई।

वह कुछ सोच पाती, उसके पहले ही 45 साल का वह अधेड़ आदमी हाथ में बुके ले कर भागते हुए उसके पास आ कर बोला, हाय ऋजुता, कैसी हो? मैं मयंक, यह बुके तुम्हारे लिए।

ऋजुता के तो पैरों के तले से जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा सा छा गया।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ0प्र0)
मो-8368681336

सविता राज, मुजफ्फरपुर, बिहार

चित्र बुजुर्ग कामवाली की

जर्जर हालात,
दीन हीन कृशकाय,
गिरता स्वास्थ्य ,
मैली कुचैली साड़ी,
दो वक्त के निवाले को मोहताज,
आखों में गमों का समुद्र,
नाउम्मीदी से घिरा जीवन,
बेटे बहु की मोहताज,
चार पांच घरों में काम करके,
घर को अपने सींचती थी,
औरों के घरों की,
साफ सफाई करके,
चंद पैसे जोड़ती थी
आज बुढ़ापे ने
छीन लिया सर्वस्व
सबने काम छुड़ा दिया,
वर्षों तक जहां काम किया,
वहां से मिलता न वृद्धाभत्ता,
न कोई पगार,
दाने दाने को हो गई मोहताज,
ये चित्र है समाज में,
बुजुर्ग हो चली कामवालियों की।
सरकार करे या समाज करे,
कोई तो इन बेबस अबलाओं की,
समस्याओं का निदान करे।

ये खानें की चीजें करती हैं उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज, जानें क्या न खाएं

लोग अपनी त्वचा को बनाए रखने और जवां दिखने के लिए काफी समय और पैसा खर्च करते हैं। लेकिन वे जो करना भूल जाते हैं, वह अपने खाने पर ध्यान रखना होता है। आप जो खाते हैं वह आपकी स्किन के लिए बेहद जरूरी होता है। यही कारण है कि हमने उन खाने की चीजों के बारे में बताया है जिनसे आपको बचना चाहिए जो उम्र बढ़ने के शुरुआती लक्षणों को रोकने में मदद करेंगे।

एक बात जो आपको जाननी चाहिए वह यह है कि उम्र बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जो आपको कई बार प्रभावित कर सकती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा नहीं कर सकते। आप प्राकृतिक उम्र बढ़ाने के दोषी जैसे सूरज की रोशनी से बच नहीं सकते हैं, लेकिन आप समय से पहले बूढ़ा होने से रोकने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर सकते हैं और कुछ खाने की चीजों से भी बच सकते हैं।

तला हुआ खाना

तले खाने से फ्री रेडिकल निकलते हैं तो स्किन सेल को नुकसान पहुंचा सकते हैं और त्वचा इलास्टिकसिटी को कमजोर कर सकते हैं। फ्रेंच फ्राइज, शकरकंद फ्राई जैसी खाने की चीजों से बचें। इसके अलावा, कम नमक का खाना भी खाएं।

सफेद चीनी

बहुत ज्यादा सफेद चीनी खाने से कोलेजन-हानिकारक एजीई के निर्माण में योगदान हो सकता है। चीनी की ज्यादा मात्रा से स्किन समस्याएं हो सकती हैं। इसके बजाय, कुछ मीठा खाने का मन होने पर फल या डार्क चॉकलेट खाएं।

प्रोसेसड मीट

बेकन, सॉसेज और पेपरोनी प्रोसेसड मीट हैं। इनसे आपको बचना चाहिए। ये सोडियम, सैच्यूरेटिड फैट और सल्फाइट से भरे होते हैं, जो सभी सूजन का कारण बनते हैं जो कोलेजन को कमजोर कर सकते हैं और स्किन से पानी कम करते हैं।

कैफीनयुक्त ड्रिंक्स

सोडा और कॉफी पीने से त्वचा से ज्यादा नींद प्रभावित होती है। खराब सोने के पैटर्न को उम्र बढ़ने, झुर्रियों, काले घेरे और महीन रेखाओं के संकेतों से जोड़ा गया है। जितना हो सके कैफीनयुक्त ड्रिंक्स कम पिएं।

शराब

अधिक शराब पीने से त्वचा की कई समस्याएं हो सकती हैं, जिनमें झुर्रियां, कोलेजन की कमी, सूजन और लालिमा शामिल हैं। यह विटामिन ए सहित कुछ पोषक तत्वों की कमी की ओर भी ले जाता है।

सफेद ब्रेड

सफेद ब्रेड में उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है जो शरीर में सूजन पैदा कर सकता है, जो बदले में स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है।

इसे उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से भी जोड़ा गया है। अंकुरित अनाज की रोटी ट्राई करें जिसमें एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं।

चाय के शौकीन हैं तो इस बार ट्राई करें गुलाब वाली चाय

चाय कई तरीके से बनाई जाती है, इलायची चाय से लेकर मसाला चाय तक हर कोई इसे अपने स्वाद के मुताबिक पीना पसंद करता है। चाय के शौकीन हर तरह की चाय का स्वाद चखना पसंद करते हैं।

अगर आप भी चाय के शौकीन हैं तो आप इस बार गुलाब वाली चाय बनाने का ट्राई कर सकते हैं। गुलाब का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है, इससे गुलब जल, गुलकंद और भी कई चीजें बनाई जाती हैं, लेकिन इस बार गुलाब की फ्रेश पत्तियों को अपनी चाय में मिक्स करें और फिर इस मजेदार चाय को आराम से बैठ कर पीएं।

गुलाब वाली चाय बनाने की सामग्री

1.5 कप पानी
1 इंच अदरक कद्दूकस किया हुआ
1 इंच दाल चीनी स्टिक
2-3 लौंग
5-6 गुलाब की पंखुड़ियां
3 बड़े चम्मच चाय पत्ती
2 बड़े चम्मच स्वीटनर
3-4 इलायची
2 कप दूध
5-6 तुलसी के पत्ते

कैसे बनाएं गुलाब वाली चाय

गुलाब वाली चाय बनाने के लिए आप सबसे पहले पानी गर्म करें और फिर इसमें अदरक, दालचीनी, इलायची, और गुलाब की पत्तियां डासें। फिर इसमें चाय पत्ति और शक्कर डालें। नारियल की शक्कर का इस्तेमाल किया गया है। फिर इस चाय में दूध डालें और एंड में उबाल आने पर तुलसी पत्ते डालें। चाय को कुछ देर उबालें और गुलाब वाली चाय तैयार है। इसे छान कर सर्व करें।

वीगन डाइट फॉलो कर रहे हैं तो बनाकर खाएं ये डेजर्ट

वीगन डाइट पत्तेदार चीजों पर आधारित होती है और इसमें जानवर या उनसे उत्पादित किसी भी खाद्य पदार्थ को शामिल नहीं किया जाता है जैसे दूध, दही और शहद आदि। यही वजह है कि वीगन डाइट वाले लोग डेजर्ट जैसी चीजों का आनंद नहीं ले पाते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अगर आप वीगन डाइट फॉलो कर रहे हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे वीगन डेजर्ट की रेसिपी बताते हैं, जिनको आप बार-बार बनाकर खाना पसंद करेंगे।

वीगन रबड़ी

अगर आप वीगन डाइट पर है तो डेजर्ट के तौर पर वीगन रबड़ी का आनंद ले सकते हैं। इसे बनाने के लिए थोड़े काजू को रातभर बादाम के दूध में भिगोकर रखें, फिर सुबह उठकर इसे ब्लेंडर में डालकर ब्लेंड करें। इसके बाद इस मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं, फिर इसमें बादाम का आटा और चीनी मिलाएं, फिर इसमें केसर, इलायची पाउडर और वनिला एसेंस मिलाएं। अब गैस बंद कर दें और रबड़ी को ठंडा होने के बाद खाएं।

वीगन लड्डू

इसे बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे को एक पैन में हल्का सुनहरा होने तक भून लें, फिर इसमें अलसी, बादाम का आटा, नमक और वीगन मक्खन डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को तीन-चार मिनट तक भूनें और ठंडा होने दें, फिर इसमें खजूर, इलायची, काजू और गेहूं के आटे का मिश्रण मिलाकर इससे गोल-गोल आकार के लड्डू तैयार कर लें। आप इन लड्डू को पांच दिनों तक स्टोर कर सकते हैं।

ब्राउन राइस खीर

सबसे पहले ब्राउन राइस को पानी के साथ 30 मिनट तक पकाएं, फिर जब चावल पक जाएं तो उससे पानी को छान दें। अब एक पैन में बादाम के दूध गर्म करें, फिर उसमें काजू और पकाएं चावल मिला दें, फिर इसमें इलायची के दाने और चीनी डालकर 15-20 मिनट तक पकाएं। इसके बाद खीर में भूने सूखे मेवे डालें और 10-20 मिनट तक और पकाकर गैस बंद कर दें। अंत में खीर पर बादाम गर्निश करके इसका आनंद लें।

वीगन चॉकलेट आइसक्रीम

सबसे पहले भीगे हुए बादाम को पानी के साथ पीस लें, फिर इस मिश्रण के पानी को छानकर एक पैन में डालें और इसे दो मिनट तक पकाएं, फिर इसे ठंडा होने दें। इसके बाद एक ब्लेंडर में पकाया हुआ

बादाम वाला पानी, कोको पाउडर, केला, वेनिला एसेंस और चीनी को एक साथ ब्लेंड करें, फिर इसे एक कंटेनर में डालकर एक घंटे के लिए फ्रीजर में रखें, फिर दोबारा से इस मिश्रण को ब्लेंड करके फ्रीजर में रखें।

BNM Fantasy

Wednesday
11 October 2023

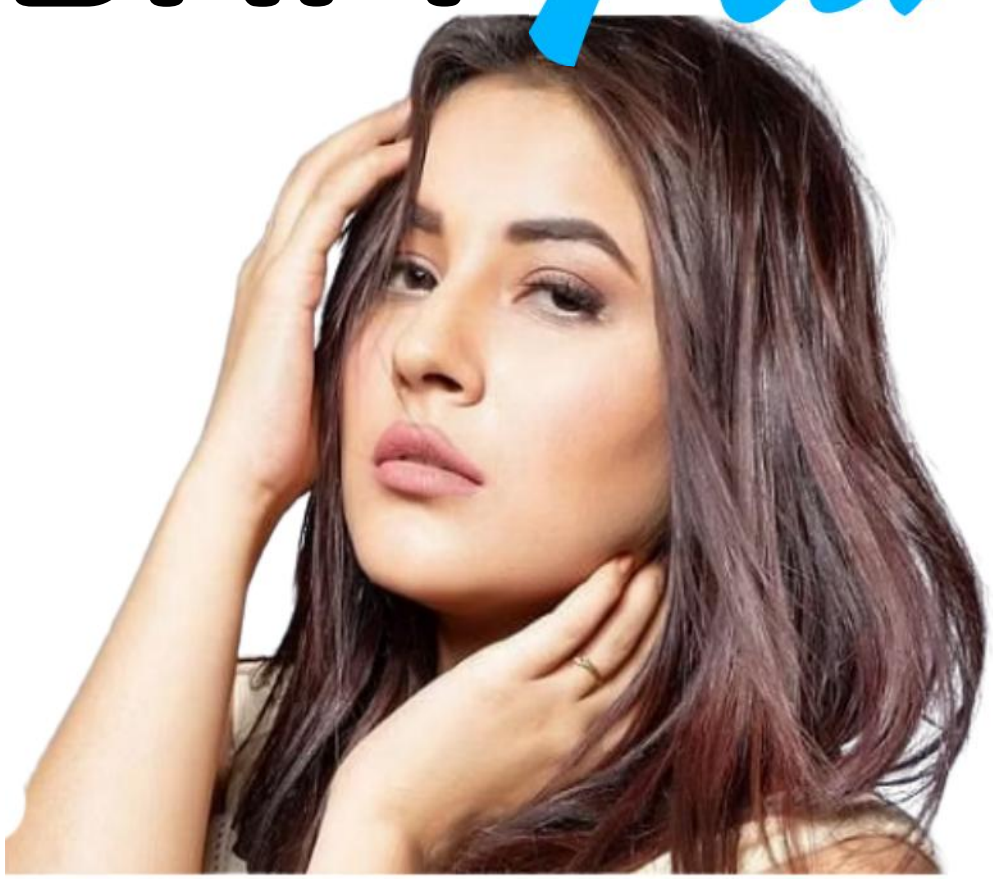

अस्पताल में भर्ती हुईं शहनाज गिल

'बिग बॉस' फेम शहनाज गिल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। शहनाज ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर फैंस को इस बात की जानकारी दी। हॉस्पिटल में शहनाज को देखकर फैंस हैरान रह गए। ऐसे में हर कोई इस वक्त उनकी सेहत के लिए दुआ कर रहा है। लाइव में शहनाज ने कहा, "हर किसी का एक वक्त आता है और चला भी जाता है। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। मैं अब ठीक हूं। मुझे फूड पॉइजनिंग हुआ है। मैंने सैंडविच खाया था। इसलिए मुझे फूड पॉइजनिंग हो गया।" इसी बीच रिया कपूर, शहनाज का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचीं। शहनाज के काम की बात करें तो फिलहाल उनकी फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

म

'मेंटल हेल्थ डे' पर आमिर खान और उनकी बेटी आइरा ने दिया अहम संदेश

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर) पर आमिर खान और उनकी बेटी आइरा ने एक अहम संदेश दिया है। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती, नतीजतन कई लोग तनाव में रहते हैं। वे अपना दर्द दूसरों के सामने व्यक्त नहीं कर पाते हैं। इस दिन के मौके पर आइरा ने इंस्टाग्राम पर अपने पिता के साथ एक वीडियो शेयर किया है। इसमें आमिर कहते हैं, "अगर हमें कठिन मैथ्स सीखना है, तो हम स्कूल या शिक्षकों के पास जाते हैं, अगर हम बाल कटवाना चाहते हैं, तो हम सैलून में जाते हैं। चाहे घर में फर्नीचर का काम हो या बाथरूम में प्लंबिंग का काम हो, हम उसी व्यक्ति के पास जाते हैं जो इसमें माहिर होता है। हम बीमार होते हैं तो डॉक्टर के पास जाते हैं। जिंदगी में कई चीजें ऐसी होती हैं जो हम खुद नहीं कर सकते, जिसके लिए हमें दूसरे की मदद की जरूरत होती है।" आइरा आगे कहती हैं, जब हमें मानसिक या भावनात्मक मदद की ज़रूरत होती है, तो हमें उतनी ही आसानी से बिना किसी हिचकिचाहट के किसी ऐसे व्यक्ति की मदद लेनी चाहिए, जो उस काम में कुशल हो।" आमिर ने कहा, "मैं और मेरी बेटी आयरा पिछले कई सालों से थेरेपी ले रहे हैं। अगर आपको भी लगता है कि आप मानसिक या भावनात्मक समस्याओं, चिंता या अवसाद जैसी किसी समस्या से गुज़र रहे हैं, तो किसी पेशेवर की तलाश करें और मदद लें, क्योंकि इसमें शर्मिंदा होने की कोई बात नहीं है।"

जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय जर्नी

कैटरीना कैफ

टाइगर-3 में कैटरीना जोया का किरदार निभाती है। जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस का रोल है। फिलम में वह लड़ाई या रणनीति में टाइगर उर्फ सलमान खान से बराबरी करती हैं। कैटरीना के जोया के किरदार को एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है में उन्हें खूब प्यार मिला है। उन्होंने दिखाया है कि वह अपने दम पर अविश्वसनीय एक्शन सीक्वेंस कर सकती हैं। यशराज फिल्म्स ने मंगलवार को जोया के रूप में कैटरीना के सोलो पोस्टर का अनावरण किया गया। इस मौके पर लोगों ने उनके अभिनय की सराहना की। लोगों का कहना है कि टाइगर-वर्स कैटरीना कैफ के अलावा कोई भी जोया की भूमिका नहीं निभा सकता है। इस मौके पर कैटरीना ने खुलासा किया कि टाइगर-3 के शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण एक्शन दृश्यों को निभाने के लिए उन्होंने अपने बॉडी को 'ब्रेकिंग पॉइंट' तक धकेल दिया। कैटरीना कहती हैं, 'ज़ोया वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस हैं और मुझे उनके जैसा किरदार पाकर बहुत गर्व है। वह उग्र है, वह साहसी है, वह पूरी तरह से समर्पित, वफादार है और सबसे बढ़कर वह हर समय मानवता के लिए खड़ी रहती है।' उन्होंने कहा कि, "वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय जर्नी रही है और मैंने हर फिल्म में खुद को परखा है। टाइगर-3 कोई अपवाद नहीं है। हम इस बार एक्शन दृश्यों को अगले स्तर पर ले जाना चाहते थे और मैंने फिल्म के लिए अपने बॉडी को ढाला है। शारीरिक रूप से यह मेरी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म रही है। एक्शन करना हमेशा रोमांचक होता है और मैं हमेशा से एक्शन जॉनर की प्रशंसक रही हूं। इसलिए, जोया का किरदार निभाना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मजबूत, साहसी, बदमाश और कोई रोकटोक नहीं। मैं लोगों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हूं। जब वे जोया को स्क्रीन पर देखेंगे। वह टाइगर की यिन टू यांग है।' फिल्म टाइगर-3 का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है और इसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। यह फिल्म इस साल बड़ी दिवाली की छुट्टियों के दौरान रिलीज़ होगी।